रेल दुर्घटनाओं के बारे में सीकरी समिति का प्रतिवेदन

*390. **श्री रामजीलाल सुमन** : क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या रेल दुर्घटनाओं के कारणों की जांच करने के लिए श्री एस० एम० सीकरी की अध्यक्षता में एक सात सदस्यीय समिति नियुक्त की गई थी ; और यदि हां, तो यह समिति संभवतः कब तक अपना प्रतिवेदन पेश कर देगी; और

(ख) दुर्घटनाओं को रोकने के लिए सरकार ने क्या उपाय किये हैं ?

रेल मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री शिव नारायण) : (क) जी हां। आशा है कि यह समिति छः माह के अन्दर अपनी रिपोर्ट दे देगी ।

(ख) एक विवरण सभा पटल पर रख दिया गया है ।

विवरण

चूंकि रेल कर्मचारियों की गलती गाड़ी दुर्घटनाओं का अकेला सबसे बड़ा कारण है, अतः रेलों के संरक्षा संगठन, गाड़ी परिचालन से सम्बन्धित कर्मचारियों में अपेक्षाकृत अधिक सुरक्षा की भावना जागृत करने तथा यह सुनिश्चित करने का अनवरत प्रयास कर रहे हैं कि कर्मचारी अपने काम में नियमों का उल्लंघन न करें अथवा लघु तरीके न अपनायें। मियाभाय अधिकरण के पंचाट तथा रनिंग कर्मचारियों के लिए 10 घण्टा ड्यूटी नियम लागू करने के लिए गाड़ियों के चालन से सम्बन्धित परिचालन कोटियों में 10,000 अतिरिक्त पद तथा रनिंग कर्मचारियों के 2,700 अतिरिक्त पद स्वीकृत किये गये हैं ।

मानवीय तत्व पर निर्भरता कम करने के उद्देश्य से उत्तरोत्तर विभिन्न परिष्कृत उपस्कर जैसे पहिया, धुरा और रेल पटरी के लिए अल्ट्रासानिक फ्लां डिटेक्टर, रेलपथ परिपथन, स्वचल चेतावनी प्रणाली आदि का उपयोग किया जा रहा है ।

हाल में, यह निर्णय किया गया है कि 31-3-78 तक मुख्य मार्गों के 50 स्टेशनों तथा 1981 तक शेष 430 स्टेशनों की रन-थ्रू लाइनों के रेलपथ परिपथन का काम पूरा कर लिया जाये। इसके अतिरिक्त 25 दोषपूर्ण स्टेशनों के फाऊलिंग स्थल से अग्रिम स्टार्टर तक के रेलपथ का 31-3-78 तक तथा आय ऐसे 75 स्टेशनों का अगले डेढ़ वर्ष में परिपथन कर दिया जायेगा ।

अपराधियों का पता लगाने, उन्हें पकड़ने तथा उन पर मुकदमा चलाने के काम में सहायता देने और समय-समय पर विभिन्न स्तरों पर बैठकें आयोजित करके राज्यों की पुलिस के साथ निकट सहयोग और समन्वय बनाये रखने के अलावा, रेलों ने रेलपथ पर गश्त लगाने के लिए, विशेष कर भेद्य क्षेत्रों में, इंजीनियरी विभाग के 14,000 गैंगमैन और रेलवे सुरक्षा दल के 11,000 कर्मचारी भी तैनात किये हैं ताकि तोड़-फोड़ की कार्यवाही की रोकथाम की जा सके ।

समस्तीपुर-लखनऊ मीटर गेज लाइन को बड़ी लाइन में बदलना

*395. **श्री रामदेव सिंह** : क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या समस्तीपुर से लखनऊ तक मीटर गेज लाइन को बड़ी लाइन में बदलने का कार्य चल रहा है; और